वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष (2006-2007)

सामाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र

(SSVK)

जे0पी0 ग्राम- बलभद्रपुर झंझारपुर (R.S) जिला-मधुबनी 847403 (बिहार)

पटना कार्यालय:- लोक शक्ति भवन

अजय निलायन अपार्टमेन्ट के सामने, नागेश्वर कालोनी, बोरिंग रोड, पटना-800001

Phone/Fax:0612-2522077 Mob.:9431025801, 9973161483

Web.site: www.ssvk.org e-mail: ssvkindia@gmail.com

एस0एस0भी0के0 एक स्वयं सेवी संगठन है। ये संगठन अपने स्थापना काल वर्ष 1986 अपने उददेश्य के प्राप्ति हेतु विकास का काम करती है। खासकर सदियों से सभी दृष्टिकोण से पिछड़े, उपेक्षित लोगों का सर्वागीन विकास कैसे हो इसके लिए चिंतनशील है। सामाजिक समरसत्ता पर उन सभी का अधिकार एवं वर्चस्व हो इसके लिए समय समय पर चेतना जागरण एवं विकास का काम करते आ रहें हैं, और सफलता भी मिली है। इस दौड़ान अनेकों बाधाओं का सामना करना पड़ा फिर भी अपने पथ से SSVK विचलित नहीं हुआ और 20 वर्ष का लम्बा सफर सफलता पूर्वक तय किया। इस दौरान बिहार के विभिन्न मुद्दों को लेकर शक्ति पत्रिका, पुस्तक, बुकलेट, पोस्टर, पर्चा एवं मीडिया के माध्यम से जनवकालत (Advocacy) का काम किया।

SSVK इस वितीय वर्ष में दो दीर्घकालीन SRC Action aid एवं एक अल्प कालीन THP परियोजना के सहयोग से मधुबनी जिला के 4 प्रखंड एवं सहरसा जिला के एक प्रखंड कुल 5 प्रखंडों में काम किया।

SRC जिला मधुबनी, प्रखंड–2 लखनौर, मधेपुर पंचायत–16, Action aid जिला सहरसा, प्रखंड–1 नवहट्टा गॉव–35 पंचायत–16 The Hunger Project जिला मधुबनी, प्रखंड–4 झंझारपुर, अंधराठाढ़ी, लखनौर मधेपुर के कुल–60 पंचायत इसके अलावे लोक शक्ति संगठन के माध्यम से बिहार के 4 जिला मधुबनी, दरभंगा, सहरसा एवं सुपौल में सघन रुप से ग्रामकोष का संचालन किया जा रहा है परियोजना क्षेत्रों के अंतर्गत कुल SHG-65

प्रथम ग्रेडिंग–14ग्रुप × 25000=3,50,000

14ग्रुपों का खाता में कुल जमा राशि–20.000

द्वितीय ग्रेडिंग–3 ग्रुप x 2,50,000=7,50,000

3 ग्रुपों का खाता में कुल जमा राशि– 15000 x 3 =45000, उत्तर बिहार के 16 प्रखंड के करीब 1000 गॉव/टोला में कुल 53.15000: तिरपन लाख पंद्रह हजार रुपये है। साथ ही करीब 632 SHG 4 जिला के 16 प्रखंड में बनाया गया।

The Hunger Project के सहयोग से SSVK मधुबनी जिला के 4 प्रखंड–लखनौर, मधेपुर, झंझारपुर एवं अन्धराठाढ़ी के कुल 60 पंचायत के 162 गॉव/टोला के महिला मंत्री को पंचायत चुनाव–2006 में विभिन्न पदों वास्ते चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया। परिणाम स्वरुप कुल 534 महिलाओं ने अपनी उम्मीदवारी दी जिसमें से 443 महिलायें/विभिन्न पदों पर निर्वाचित हुई और पंचायत का नेतृत्व कर रही है।

सूचना का अधिकार हेतु चेतना जागरण एवं प्रशिक्षण भी दिया गया।

➔परियोजना क्षेत्रों पर एक नजर:-

' एस०आर०सी० परियोजना:	कुल गॉव-	61
	कुल पंचायत	16
	कुल परिवार सं0	3707
	परियोजना क्षेत्रों की जनसंख्या	19892
	प्रखंड	2 (लखनौर, मधेपुर)
* Action aid परियोजना:-	कुल परियोजना गॉव	35
	कुल परिवार सं0	2250
	कुल जनसंख्या	12690
	कुल पंचायत	16
	प्रखंड	1 नवहट्टा

* The Hunger Project कुल गॉव/टोला-162
  कुल पंचायत-60
  कुल प्रखंड- 4 लखनौर, मधेपुर, झंझारपुर, अंधराठाढ़ी

पंचायत:-

1. पंचायत चुनाव 2006 में लक्ष्य समुदाय के अधिक से अधिक भागीदारी हो इसके लिए कार्यकर्ता एवं कम्युनिटी कॉमन, रिसोर्स पुल के सदस्यों द्वारा सघन बैठक अभियान चलाया गया।
2. लक्ष्य समुदाय के साथ सघन बैठक के परिणाम स्वरुप परियोजना क्षेत्र से पंचायत के विभिन्न पदों जैसे जिला परिषद् सदस्य-3, मुखिया-12, पंचायत समिति सदस्य-26, सरपंच-14, पंच-171 एवं वार्ड सदस्य-163 के रुप में अपनी उम्मीदवारी दी है।
3. बैठक के माध्यम से पंचायत चुनाव में नामांकन की प्रक्रिया चुनाव लड़ने वाले आवश्यक कागजात एवं पुचायत चुनाव संबंधी आचार संहिता जैसे मुडों के प्रति जागरुक किया गया। अनुमण्डल स्तर से शपथ पत्र एवं प्रखंड कार्यालय से जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु समुदाय को सहयोग किया।
4. पंचायती राज व्यवस्था से समुदाय को सामाजिक सुरक्षा इन्दिरा आवास योजना स्वच्छ पेय जल (चापाकल) जैसी सुविधाओं से लाभ हुआ है।
5. पंचायत द्वारा काम के बदले अनाज स्कीम से समुदाय को रोजगार का अवसर प्रदान हुआ है।
6. रोजगार गारंटी योजना के समुदाय लाभान्वित हो सके, इसके लिए जॉब कार्ड बनवाने हेतु 2135 समुदाय के लागों को नामांकित किया गया।

शिक्षा:-

1. विद्यालय में गुणवता पूर्ण शिक्षा एवं विद्यालय में लक्ष्य समुदाय के बालक बालिकाओं की भागीदारी हेतु ग्राम शिक्षा कमिटी एवं विद्यालय के शिक्षकों के साथ बैठक की गयी।
2. परियोजना क्षेत्र के 6 से 14 आयु वर्ग के नये 174 बालक एवं 142 बालिकाओं को सरकारी विद्यालय में नामांकन किया गया।
3. परियोजना क्षेत्र के 15 लड़का एवं 8 लउ़की को मधुबनी आवासीय विद्यालय में नामांकन कराया गया ताकि उनके पहली से मैट्रिक तक की पढ़ाई मुफ्त मिल सके।
4. सरकारी शिक्षकों की अनियमितता पर शिक्षकों के उपर ग्राम शिक्षा कमिटी द्वारा दबाव बनाया गया।
5. सरकारी विद्यालय में समुचित आहार को घ्यान में रखकर मघ्यान्ह् भोजन हो इसके लिए समुदाय के लोग समय-समय पर विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्राम शिक्षा कमिठी के सदस्यों के साथ बैठक करते हैं।
6. पंचायत द्वारा समुदायिक पहल से 5 सरकारी विद्यालय के प्रांगण में चापाकल एवं 17 प्राथमिक विद्यालय में सुलभ शौचालय उपलब्ध किया गया।
7. सरकारी विद्यालय में नामांकित बच्चों को पठन-पाठन साम्रगी उपलब्ध कराया गया।
8. कम्युनिटी कॉमन रिसोर्स पुल के प्रयास से कुल छात्रवृति मिलने वालों छात्र-छात्राओं की संख्या 360 है।
9. प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को (स्कूल ड्रेस) भी दिया गया है जिसकी संख्या 178 है।

स्वास्थ्य:-

1. गॉव में ए0एन0एम0 की नियमितता बढ़ाने हेतु कम्युनिटी कॉमन रिसोर्स पुल के सदस्यों ने सामूहिक रुप से स्वस्थ्य प्रभारी से सम्पर्क किया।
2. सरकारी ए0एन0एम0 की नियमितता से समुदाय के गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का टीकाकरण गॉव में ही होने लगा हैं।
3. स्वास्थ्य प्रभारी के सम्पर्क से समुदाय के बीमार लोगों को इलाज में सहयोग मिल रहा है।
4. 10 कालाजार से ग्रसित मरीजों को झंझारपुर रेफरल अस्पताल से मुफ्त इलाज करवाया गया एवं समय से पानी एवं दवा उपलब्ध हुआ हैं

जमीन एवं तालाब:

➔उदेश्य प्राप्ति हेतु किये गए कार्यक्रम।

जमीन का प्रकार:

1. बासगीत। 2. सिलिंग। 3. भूदानी। 4. गैरमजरुआ आम खास।

उपयोगिता: 1. बासगीत- 1820 परिवार को पूर्व में 9 बीघा जमीन का पर्चा मिला था। जिसपर समुदाय के लोग अपना घर बनाकर रह रहें है। बाकि बचे शेष पर्चाधारी 1266 परिवार में से 430 परिवार को नया पर्चा मिला है जो जमीन 37.2 बीघा हैं

2. सिलिंग- 186 पर्चाधारी परिवारों को कुल 95.8 बीघा जमीन का पर्चा मिला उसमें से 56.10 कट्ठा पर 126 परिवार का दखल हो गया है और 29.7 बीघा जमीन 60 परिवार पर्चा रहते हुए बेदखल है। इसके लिए संबंधित कार्यालय से सम्पर्क कर दखल हेतु प्रयास जारी है। उक्त सभी 56.10 बीघा जमीन बहुफसला है जिसपर समुदाय धान की खेती, गेहूँ, सब्जी, दलहन आदि फसल उपजाते है।

3. भूदानी-पर्चाधारी 272 परिवार कुल जमीन 203 बीघा 8 कट्ठा में से 193 परिवार को 155.8 बीघा जमीन को दखल कर खेती करते हैं, बाकी बचे 79 परिवार बेदखल हैं जिसके लिए भूदान ऑफिस एवं अन्य प्रयास जारी हैं। जिससे सालों भर 1158 जनसंख्या के लाग लाभान्वित हो रहें है। इस जमीन में भी सभी तरह का फसल उपजाया जाता है।

4. गैर मजरुआ जमीन- कुल जमीन 173.7 बीघा में से 68 बीघा जमीन कुल 136 व्यक्ति दखल कर खेती कर लाभान्वित हो रहें हैं और 65 परिवार जिसको घर के लिए भी जमीन नहीं था वो उक्त जमीन पर ही घर बनाकर रह रहें हैं बाकी 71 परिवार शेष जमीन में कृषि का कार्य करते हैं।

- कुल 61 गॉव में बासगीत पर्चा के लिए संबंधित कार्यालय में आवेदन देने वालों की संख्या-549
- कुल तालाब-9

उपयोगिता- चार तालाब गॉव-दरभंगा, सिरपुर, सोहराय, कसियाग के तालाबों में मछली पालन का काम समुदाय द्वारा किया जा रहा है। जिसमें 352 परिवार उक्त तालाबों से लाभान्वित हो रहें है। अदलपुर तालाब के लिए पंचायत द्वारा जीर्णोधार हेतु मंजूरी हो चुकी हैं उक्त तालाब से पॉच फीट मिट्टी और काटकर हटाने का प्रस्ताव है जिसका पैसा भी आवंटित हो चुका है। उक्त तालाब के जीर्णोधार से 135 परिवार को एक महीना तक रोजगार उपलब्ध होगा। पथराही समटोल पुरानी पोखर के समुदायिक बैठक में पूर्व मंत्री को तालाब छोड़ने के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी तो मछली डाल दिये हैं। आगामी वर्ष 2007 मार्च के बाद तालाब छोड़ देंगे जिस पर सभी की सहमति बनी।

⇨दो तालाब जो अंधरा एवं खैड़ी गॉव में है उसको भी जीर्णोधार हेतु प्रस्ताव पंचायत द्वारा पास किया गया हैं। जो 2007 में काम शुरु कर दिया जायेगा। जिससे की (हजार) 1000/-मजदूरों को एक माह का पंचायत रोजगार गारंटी के तहत रोजगार मिलेगा।

स्वास्थ्य:-

1. आंगनबाड़ी केन्द्र- 43 आंगनबाड़ी केन्द्र में नियमित एक केन्द्र में 40 बच्चें 0-6 उम्र के आते हैं। बच्चों को खिलौना, पोष्टिक आहार में चौकलेट, खिचड़ी। आंगनबाड़ी केन्द्र में 0-6 वर्ष के बच्चों को प्राथमिक विद्यालय से जोड़ने के लिए आदत डाला जा रहा हैं। जहॉं केन्द्र नहीं है या गॉव से केन्द्र दूर है तो इसके लिए कम्युनीटि कॉमन रिसोर्स पुल के द्वारा पंचायत के प्रमुख (मुखिया)को आवेदन देकर, अपने नजदीकी जगह पर नया आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने हेतु प्रयासरत हैं। उक्त 43 आंगनबाड़ी केन्द्र में समुदाय की महिला अधिकतर सहायिका के पद पर काम कर रही है। कम्युनीटि कॉमन रिसोर्स पुल की सक्रियता से सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ समुदाय नियमित रुप से ले रहे हैं।

⇨गर्भवती माताओं की संख्या-9 को पूरे देख-रेख के तहत दवा आयरन की गोली TT सूई, समय-समय पर गर्भ जॉंच, वजन और यथा संभव उनके परिवार में उपलब्ध खानपान हरा पतेदार सब्जी साग के बारे में जानकारी दी जा रही है। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों/उपकेन्द्रों में गर्भवती महिला एवं 0-6 वर्ष के बच्चों के लिए उनके आवश्यक आवश्यकता को घ्यान में रखते हुए सारी सुविधा उपलब्ध हैं।

जैसे - आयरण की गोली

- डी0पी0टी0
- बी0सी0जी0
- पोलियों
- विटामिन ।
- T.T.

इसके अलावे प्रत्येक गॉव में प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य शिविर लगाकर टीकाकरण किया जाता है।

स्वच्छ पेयजल-स्वच्छ पेयजल हेतु एस0आर0सी0 सम्पोषित गॉव में नया चापाकल-30 एवं पुराने खराब 35 चापाकाल की उखाड़-गाड़ ब्न्त्प्च्ण् के प्रयास से करवाया गया, जिसका लगात निम्न प्रकार है:-

नया 30 x 8000 = 2,40,000/- रु0

परिवार नियोजन कुल 61 गॉव में की गई महिलाओं की संख्या-123

पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन : बाँध/तटबंध / बिहार वास्ते नेपाल में प्रस्तावित हाई डैम एवं बाढ़ से संबंधित मुद्धों पर चेतना जागरण जलवायू परिवर्तन एवं बाढ़ / सुखाड़ से निपटने के प्रयास। जमीन / तालाब जैसे प्राकृतिक संसाधन पर गरीबों का स्वामित्व जिसमें पारम्परिक खेती/तालाबों में मछली पालन कराया जा रहा है। समुदाय द्वारा वृक्षारोपन भी कराया जा रहा है जिससे बाढ़ के पानी में सूख रहे वृक्षों की कमी की भरपाई की जा सके।

शिक्षा Education:

⇨परियोजना क्षेत्र के 6-14 आयुवग्र के प्राथमिक विद्यालय में नामांकित बच्चे लड़का-174 लड़की-142 ड्रापआउट बच्चे का पुनः नामांकण-35 मघ्यान्ह भोजन नियमित रुप से चल रहा हैं। मघ्यान्ह भोजन बनाने में अधिकतर संगठन के महिलाएँ ही है।

⇨ C.R.Pके सदस्य के सहयोग से मघ्यान्ह भोजन मिल रहा है। बच्चों को साफ सफाई के बारे में उसके माता पिता के प्रेरित करते हैं और उन्हें समय से विद्यालय जाने के लिए कहते है।

⇨ बहुत ऐसे गॉव हैं जहॉ सरकार के द्वारा शिक्षा समिति का गठन हुआ है जिसमें अधिकतर समुदाय के लाग समिति के प्रमुख पद पर हैं। शिक्षा मित्र एवं पंचायत शिक्षक की नियुक्ति से विद्यालय में शिक्षक एवं बच्चों की अनुपात सामान्य हो रहा है एवं शैक्षिक स्तर में भी गुणात्मक बदलाव देखा जा रहा हैं।

मघ्यान्ह भोजनः- खासकर लक्ष्य समुदाय के बच्चों एवं B.P.L. अन्तर्गत आने वाले अन्य समुदाय के बच्चों का भी (खिचड़ी) के बहाने ही सही नामांकण दर में वृद्धि हुआ है और बच्चें नियमित स्कूल जाते हैं। ग्राम शिक्षा कमिटी के सदस्यों द्वारा अपने जिम्मेवारी को निर्वहन किया जा रहा है। जिससे दिनानुदिन विद्यालय के साफ सफाई एवं बच्चों से बात करने पर पहले के अपेक्षा बदलाव नजर आने लगा हैं।

परियोजना गॉव दरभंगा में ब्त्ण्च् एवं कम्युनीटि के सक्रीयता से एक और विद्यालय चल रहा हैं। विद्यालय का नाम अनुसूचित जाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय है, जिसमें समुदाय के अधिक से अधिक बच्चे पढ़ने जाते हैं एवं 5 शिक्षक कार्यरत हैं। अभिभावक में पढ़ाई के प्रति जागरुक देखा जा रहा है जिसके कारण विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति में बढ़ोतरी हुई है।

परियोजना गॉव में 17 विद्यालय के अलावे ग्राम पिपराधार, सिरपुर, कोयलीवाहा, रजौर गॉव में पंचायत के द्वारा विद्यालय भवन निर्माण का प्रस्ताव पास किया गया तो वितीय वर्ष 2006-2007 में निर्माण किया जाएगा।

आवेदन पत्र तैयार कर समुदाय + CRP छात्रवृति के लिए संबंधित कार्यालय जाते है तथा बच्चों की इसकी सुविधा मुहैया करवाते है।

⇨ **पंचायती राजः**- विभिन्न पद पर निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को क्षमता विकास कार्यशाला के तहत उसके शक्ति, कार्य अधिकार पर विस्तृत चर्चा किया गया। कार्यशाला में पंचायत प्रतिनिधियों का क्या-क्या संवैधानिक अधिकार है और क्या-क्या अधिकार से लैश किया गया है और कौन से अधिकार से वंचित है ? इसके लिए क्या करना पड़ेगा पर विस्तृत जानकारी दी गई। लक्ष्य समुदाय के पंचायती राज में प्रतिनिधित्व होने से समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं जैसे-इन्दिरा आवास, अन्त्योदय, अन्नपूर्णा, वृद्धावस्था पेंशन, रोजगार गारंटी योजना के तहत ''जॉब कार्ड'' एवं अन्य सुविधाओं का लाभ समाज के दबे कुचले वंचित परिवारों को मिल रहा हैं। परियोजना क्षेत्र के अलावे लोक शक्ति संगठन के मधुबनी जिला के प्रखंड-लखनौर, मधेपुर, अन्धराठाढ़ी एवं झंझारपुर के 61 पंचायत में विभिन्न पदों पर चुनाव जीतकर आये प्रतिनिधियों का विवरण निम्न प्रकार हैं:-

प्रखंड	मुखिया	पंचायत समिति	सरपंच	वार्ड	वार्ड पंच	जिला परिषद्
मधेपुरा	2	2	3	65	72	X
अंधराठाढ़ी	1	2	2	65	42	X
झंझारपुर	3	2	4	54	72	X
लखनौर	3	3	2	81	43	1
Total	9	9	11	265	299	1

SRC परियोजना क्षेत्रों के 61 गॉव में पंचायती राज के तहत विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों एवं जीत हासिल करने वाले व्यक्तियों का विवरण निम्न प्रकार हैं:-

नोमिनेशन	मुखिया		सरपंच		वार्ड		वार्ड पंच		पंचायत समिति		जिला परिषद्	
	पराजित	विजयी	पराजित	विजयी	पराजित	विजयी	पराजित	विजयी	पराजित	विजयी	पराजित	विजयी
मुखिया-12	10	2										
सरपंच-14			9	5								
वार्ड-163					68	95						
वार्ड पंच-17							117	54				
पंचायत समिति-26									19	7		
जिला परिषद्-3											2	1

स्वयं सहायता समूह- कुल ग्रुप - 65

⇨प्रथम ग्रेडिंग- 14 ग्रुप x 25000=3,50,000

14 ग्रुपों खाता में कुल जमा राशि 8571 x 14= 200000

⇨द्वितीय ग्रेडिंग- 3 ग्रुप x 250,000=7,50,000

3 ग्रुपों का खाता में कुल जमा राशि 15000 x 3 = 45,000

पुनः प्रथम ग्रेडिंग के लिए 28 ग्रुपों का लिस्ट प्रखंड कार्यालय से बैंक भेजा गया और द्वितीय ग्रेडिंग के लिए भी ग्रुप को चयन किया गया।

12 ग्रुपों का प्रशिक्षण प्रखंड कार्यालय में भिन्न-भिन्न विषयों जैसे-सिलाई-कटाई, पशु पालन में बकरी डेयरी, सिक्की मौनी दिया जा रहा है एवं CRP+ ग्रामीणों के पहल पर 84 ग्रुपों का निर्माण एवं खाता खोलवाने की प्रक्रिया जारी है।

कुल 17 ग्रुपों जिसकों SGSY के तहत विभिन्न व्यवसाय वास्ते ½ दिया गया जो निम्न प्रकार हैं:

पशुपालन
डेयरी
सिलाई-कटाई
सिक्की मौनी
बकरी
मूर्गा पालन

ये सभी ग्रुप अपने-अपने व्यवसाय कर रहें हैं और इसका लाभ 340 परिवार को मिल रहा है।

रोजगार-	मछली पालन एवं बेचना	-	407 परिवार
	पशुपालन	-	1628 परिवार
	खेती	-	252 परिवार
	पलायन	-	930 परिवार
	ईट भठ्ठा में काम	-	483 परिवार

ग्रामकोष

SRC परियोजना क्षेत्र के कुल 61 गॉव/टोला में ग्रामकोष की स्थिति निम्न प्रकार हैं:-

क्र0 सं0	गॉव का नाम	खाता में जमा	राशि ऋण मद	कुल रकम
1.	अदलपुर	8982.00	5600.00	14582.00
2.	अदलपुर रामटोल	1362.00	4200.00	17820.00
3.	अदलपुर साहु टोल	4808.00	3200.00	8008.00
4.	अदलपुर कुम्हार टोल	9890.00	4500.00	14390.00
5.	डूबरवोना	12809.00	500.00	17809.00
6.	पुरनी पोखर	10100.00	6500.00	16600.00
7.	पथराही	6900.00	6000.00	12900.00
8.	पथराही राय टोल	3200.00	3700.00	6900.00
9.	पथराही महतो टोल	5900.00	3000.00	8900.00
10.	पिपराधार	7322.00	5200.00	12522.00
11.	हॉस्पीटल टोल	2900.00	1000.00	3900.00

12.	सोहराय मुसहरी	9500.00	11000.00	20500.00
13.	चतरी टोल	3200.00	4000.00	7200.00
14.	सोहराय मुसहरी	2462.00	4300.00	6762.00
15.	चतरी टोल	4400.00	3500.00	7900.00
16.	सोहराय पूर्वी	8750.00	5500.00	14250.00
17.	कमलदाहा मुसहरी	9650.00	4500.00	14150.00
18.	सोहराय भल्लाह टोल	12500.00	6500.00	19000.00
19.	कमलादाहा यादव टोल	12100.00	9000.00	21100.00
20.	गंगापुर खतवेटोल	4500.00	3000.00	7500.00
21.	सिरपुर मुसहरी	6300.00	4000.00	10300.00
22.	गंगापुर मुस्लिम टोल	12350.00	6500.00	18850.00
23.	गंगापुर मुस्लिम	2900.00	8000.00	10900.00
24.	सोनारपट्टी	10500.00	9500.00	20000.00
25.	दैयाखड़वार खेतवे टोल	6200.00	13200.00	19400.00
26.	दैयाखड़वार मुसहरी	6780.00	5000.00	11780.00
27.	लखनौर मुसहरी	6200.00	2500.00	8700.00
28.	गंगापुर रामटोल	12500.00	3900.00	16400.00
29.	हंसौली	9200.00	6800.00	16000.00
30.	पचही	6900.00	3600.00	10500.00
31.	लखनौर खैड़ी	13920.00	9676.00	23596.00
32.	मटही मुसहरी	3400.00	4600.00	8000.00
33.	गंगापुर चकनाही	1800.00	4772.00	6572.00
34.	गोदाम मुसहरी	2900.00	8344.00	11244.00
35.	कोयलीवाहा	9200.00	8584.00	17784.00
36.	भगवानपुर नोनिया टोल	7900.00	4000.00	11900.00
37.	सिदेश्वर मुसहरी	8800.00	8692.00	17492.00
38.	लक्ष्मीपुर मुसहरी	18428.00	9000.00	27428.00
39.	दरभंगा मुसहरी	6000.00	10000.00	16000.00
40.	कासियाम मुसहरी	7300.00	3000.00	10300.00
41.	कासियाम खतवे टोल	8600.00	4500.00	13100.00
42.	कासियाम मल्लाह टोल	3800.00	4300.00	8100.00
43.	औक्सी	9750.00	4000.00	13750.00
44.	डीहटोल निर्मला	6200.00	6500.00	12700.00
45.	खैड़ी रामटोल	9500.00	2622.00	12122.00
46.	खैड़ी मंडल टोल	4000.00	3000.00	7000.00
47.	मधेपुर खैड़ी	12200.00	7600.00	19800.00
48.	फटकी मुसहरी	13400.00	8500.00	21900.00
49.	रहिका मल्लाह टोल	5200.00	3000.00	8200.00

50.	रजौड़	9700.00	4000.00	13700.00
51.	नवटोलिया	8650.00	5500.00	14150.00
52.	नन्दनवन	6800.00	4700.00	11500.00
53.	भगवानपुर पचमणिया	3500.00	...	3500.00
54.	नौलखा	7650.00	3600.00	11250.00
55.	भगवानपुर मंडल टोल	15900.00	13000.00	28900.00
56.	दर्जिया	6500.00	2500.00	9000.00
57.	धरभरिया	10500.00	7000.00	17500.00
58.	सोनवर्षा	7650.00	5500.00	13150.00
59.	ठाकुर पोखर	5350.00	4500.00	9850.00
60.	अंधरा मुसहरी	8500.00	3000.00	11500.00
61.	दलदल	15632.00	7000.00	22632.00
	कुल	491953.00	341690.00	833643.00

सरकारी योजनाएँ

- इन्दिरा आवास
- अन्नपूर्णा
- एस0जी0एस0वाइ0
- स्वच्छ पेयजल योजना
- रोजगार गारंटी योजना
- जननी एवं बाल सुरक्षा
- सामाजिक सुरक्षा
- आंगनबाड़ी केन्द्र
- जॉब कार्ड
- अन्त्योदय
- वृद्धावस्था पेंशन
- मातृत्व लाभ योजना
- छात्रवृति
- परिवारिक लाभ योजना
- बाल समृद्धि योजना
- सौर उर्जा
- स्वास्थ्य उपकेन्द्र

लोकशक्ति पत्रिका का प्रकाशन:

1. सूचना का अधिकार विशेषांक
2. आरक्षण विशेषांक
3. रोजगार गारंटी कानून विशेंषांक
4. दिसंबर संगठन समाचार अंक

⇨सूचना केन्द्र- 1. एस0एस0भी0के0 संस्था कार्यालय पर एक सूचना केन्द्र है। सूचना केन्द्र में साथियों द्वारा अत्याधिक प्रयास से ग्रामीण समुदाय के जरुरत की घ्यान में रखते हुए सूचना एकत्रित किया गया जो निम्न प्रकार हैं:-

1. पंचायती राज से जुड़े सूचनाएँ।
2. रोजगार गारंटी योजनाएँ एवं कानून संबंधी बुकलेट।
3. सरकारी कार्यालय से सूचना प्राप्त करने का फार्म
4. पंचायत प्रतिनिधियों के उसके कार्य एवं अधिकार का बुकलेट।
5. पंचायत जागरुकता वास्ते बुकलेट एवं पर्चा पोस्टर आदि।

वर्ष 2006 में हजारों व्यक्तियों ने उपर्युक्त जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हुआ। उक्त सूचना केन्द्र में और अधिक से अधिक सूचना उपलब्ध रहे ताकि आम जन को इसका लाभ मिलें इसके लिए साथियों का प्रयास अनवरत जारी है।

एस0आर0सी0 परियोजनाओं के 61 गॉव में।

⇨सरकारी स्कीमों से लाभान्वित परिवार।

इन्दिरा आवास - 162 परिवार।

रोजगार गारंटी योजना के तहत जॉब कार्ड-382

बॉकी 786 श्रमिक जॉब कार्ड के लिए आवेदन दिया है।

अन्त्योदय-893-1245 के लिए आवेदन दिया गया है।

अन्नपूर्णा-207-175 के लिए संबंधित कार्यालय में आवेदन दिया गया।

वृद्धापेंशन-82-67 के लिए आवेदन दिया गया है।

⇨ग्राम लखनौर खैड़ी को आदर्श गॉव के लिए वर्ष 2005 में चयन किया गया और एक करोड़ का परियोजना प्रकल्प तैयार किया गया है। इसके लिए सभी आवश्यक कागजात को पूरा कर दिया गया है। वर्ष 2007 में इसका शुभारम्भ किया जाएगा।

⇨ प्रशिक्षण एवं कार्यशाला

कम्युनीटि कॉमन रिसोर्स पुल की 12 बैठकें जनवरी से दिसम्बर 2006

स्थानीय स्वशासन (स्टेक हॉल्डर) कार्यशाला,	प्रतिभागी 90 तिथि 17.12.06
स्वास्थ्य (स्टेक हॉल्डर) कार्यशाला,	प्रतिभागी 30 तिथि 18.12.06
शिक्षा (स्टेक हॉल्डर) कार्यशाला,	प्रतिभागी 30 तिथि 19.12.06

⇨एक्शनएड

<u>लक्ष्य समुदाय:- मुसहर दलित</u>

(1) परियोजना आधारित प्लांनिंग मुद्दे

(क) शिक्षा का अधिकार

(ख) खाद्य सुरक्षा/आजीविका का सवाल

(2) अतिरिक्त मुद्दा (1) वासगीत जमीन का पट्टा महिला पुरुष के नाम होना

(2) रिवल्विंग फंड रिवल्व करना
(3) ग्रामकोष में वृद्धि
(4) पंचायती राज
(5) रोजगार गारंटी योजना
(6) स्वयं सहायता समूह का निर्माण

(3) कार्यक्रम:- (1) ग्राम स्तरीय बैठक करना
(2) प्रशिक्षण
(3) कार्यशाला
(4) सरकारी विभिन्न कार्यालय आवेदन
(5) जॉब कार्ड के लिए आवेदन/सर्वे
(6) लोक शिक्षण केन्द्र संचालन
(7) सर्वशिक्षा अभियान के तहत लोक शिक्षण केन्द्र खुलवाना
(8) सरकारी शिक्षकों से संपर्क
(9) ग्राम शिक्षा समिति को जागरुक करना उनके अधिकार के प्रति
(10)बाल मेला कर बच्चों को प्रोत्साहिक करना।
(11)प्रोग्राम का वार्षिक मूल्यांकण
(12)सरकारी विद्यालय में मध्यान्ह भोजन नियमित एवं क्वालिटिपूर्ण हो इसके लिए समुदाय के लोगों को जागरुक बनाना।
(13)स्वयं सहायता समूह का निर्माण करवाना
(14)पंचायत चुनाव 2006 में लक्ष्य समुदाय की अधिक भागीदारी हेतु जागरुक बनाना

उपलब्धि एवं प्रभाव:-

- संस्था द्वारा 10 गॉव में 10 लोक शिक्षण केन्द्र में 417 दलित छात्र/छात्राओं को पहली से तीसरी कक्षा तक प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध करवाया गया।
- सभी लोक शिक्षण केन्द्रों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था की ओर से (कुल 400 छात्र छात्रा) को मुफ्त शिक्षण समाग्री जैसे स्लेट, किताब, पेन्सील, कॉपी, कलम, इत्यादि उपलब्ध करवाया गया।
- डा0ए0 35 गॉव से प्रत्येक गॉव 5 छात्र/छात्राएँ कुल 175 छात्र/छात्राऍ को शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु सम्मिलित किया गया और 175 बच्चों को सॉल, स्कूल बैग, मफलर,स्काप देकर पुरस्कृत किया गया।

- सरकारी विद्यालयों में लक्ष्य समुदाय के बच्चों को अधिक से अधिक भागीदारी हो एवं विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण मिले इसके लिए (टीचर ऑरियेन्टेशन) एवं ग्राम शिक्षा समिति के बैठक कार्यालय और नवहट्टा उच्च विद्यालय के प्रागंण में आयोजित किया गया।
- (टीचर ऑरियेन्टेशन) में उपस्थिति सरकारी शिक्षकों ने कार्यशाला से प्रभावित होकर निर्णय लिया कि हमलोग दलित बच्चों को विद्यालय में भागीदारी हेतु उनके अभिभावकों को प्रेरित करेंगे एवं नियमित रुप से विद्यालय का संचालन करेंगे।
- डी0ए0 35 सभी गॉव से 273 छात्र छात्राओं को सरकारी विद्यालय में मुफ्त पठन-पाठन सामाग्री सरकारी विद्यालय से उपलब्ध करवाया गया।
- सरकारी विद्यालय में नामांकित लक्ष्य समुदाय 652 छात्र छात्राओं को छात्रवृति उपलब्ध करवाया गया।
- जिस विद्यालय में मध्यान्ह भोजन नहीं चलाया जा रहा था वहॉ के सरकारी शिक्षकों एवं ग्राम समिति के सदस्यों के साथ समुदाय एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन चालू करवाया गया।
- शिक्षकों के साथ बैठक करने पर मध्यान्ह भोजन के समय अधिक बच्चा विद्यालय में उपस्थित होता है और पढ़ने के समय बहुत कम बच्चे विद्यालय आतें हैं। इस तरह की समस्या को सुलझाने के लिए बच्चों के अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए सघन चर्चा किया गया।
- सरकारी विद्यालय में समुचित पौष्टिकता पूर्ण मध्यान्ह भोजन बच्चों को प्राप्त हो इसके लिए शिक्षक एवं ग्राम शिक्षा समिति के साथ बैठक किया और क्वालिटिपूर्ण मध्यान्ह भोजन नहीं मिलने पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को सामुदायिक स्तर पर आवेदन भी दिया गया।
- कोशी के बीच के सरकारी विद्यालय में कार्यरत सरकारी शिक्षकों की अनुपस्थित न हो इसके लिए सामुदायिक स्तर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन दिया गया।
- डी0ए0 गॉव के 35 दलित नवयुवकों चयन कर उसके आजीविका के मोटर चालक का प्रशिक्षण देकर उसे लाइसेंस उपलब्ध करवाया गया। जिससे रोजगार की अवसर प्राप्त हुआ। आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ गरिमापूर्ण जीवन जी सकें।
- डी0ए0 गॉव के वृद्ध महिला पुरुष असहाय परिवारों को सही समय से उचित मूल्य पर चावल गेहूँ अन्त्योदय अन्नपूर्णा योजना से प्राप्त हो सके इसके लिए डीलरों से संपर्क किया गया एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को आवेदन दिया गया।
- गॉव के लक्ष्य समुदाय के महिला पुरुष को आर्थिक स्थिति में सुधार हो इसके लिए 68 परिवारों को विशेष अंगीभूत योजना के तहत ऋण उपलब्ध करवाया गया।
- लक्ष्य समुदाय के 167 वृद्ध असहाय महिला पुरुषों को अन्नपूर्णा योजना के तहत नाम जोड़ा गया जिन्हें मुफ्त चावल गेंहूँ मिल रहा है।
- लक्ष्य समुदाय के 227 परिवारों को अन्त्योदय योजना में नाम जोड़ा गया जिसे आधा दाम पर चावल गेहूँ मिल रहा हैं।

- पीपरही गॉव के 65 परिवारों का नाम वोटर लिस्ट में नहीं था जिसे प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी के पास आवेदन देकर नाम जोड़ा गया। और इन्हीं 65 परिवारों को भी इस वित्तीय वर्ष में वी0पी0एल0 सूची में नाम जोड़वाया गया।
- रोजगार गारंटी योजना के तहत लक्ष्य समुदाय के सभी श्रमिकों ने पंचायत के वार्ड सदस्यों के माध्यमों जॉबकार्ड के लिए आवेदन किया जिससे सैंकड़ों श्रमिकों को जॉबकार्ड मिला और उन्हें काम भी मिल रहा है।
- गॉव के 47 वृद्ध महिला पुरुषों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन में नाम जोड़ा गया।
- रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा लक्ष्य समुदाय के लोगों को बैठक के माध्यम से जागरुक किया गया जो वर्ष में 100 दिन का काम देना सरकारी की गारंटी है और काम नहीं देने पर बेरोजगारी भत्ता देना होगा। पूरे श्रमिक जॉबकार्ड कि लिए आवेदन दे जॉबकार्ड मिलने के 15 दिन के अंदर काम देना सरकार का दायित्व हैं।
- महिला सशक्तिकरण हेतु लक्ष्य समुदाय के 35 नेतृत्वकर्ता क्षमता विका महिलाओं को स्वयं सहायता समूह का विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित किया गया।
- SHG समूह के प्रशिक्षित महिलाओं ने अपने-अपने गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन की है। जिसके परिणाम स्वरुप 9 नया स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया गया हैं। एक समूह का प्रथम ग्रेडिंग 25000 रु0 मिला है। जिससे महिलाओं ने गॉव में पंजाब भरोही जाने गाय पालन वास्ते समूह का लॉन मिला है। एक स्वयं सहायता समूह द्वितीय ग्रेडिंग में है जिसे 2,50,000 रु0 का लोन स्वीकृत हो गया है। कुल अभी तक 11 ग्रुपों का निर्माण हो चुका है।
- लक्ष्य समुदाय के लोग जो वर्षो से जिस जमीन पर घर बनाकर रहते हैं उसे उस जमीन का पर्चा नहीं मिला हैं अपना मलिकाना हक नहीं था उस वासगीत जमीन के लिए समुदाय द्वारा गॉव स्तर पर आवेदन दिया गया।

नारायणपुर मुसहरी	40 परिवार
रघुनाथपुर में	27 परिवार
बकुनियॉविचली	35 परिवार
भेलाही	55 परिवार
सितली	25 परिवारों का आवेदन दिया है।

- सभी गॉवों को सरकारी अमिन द्वारा जमीन की पेमाईश कर नक्सा तैयार कर लिया गया हैं।

नारायणपुर 100 परिवार
बकुनियॉविचली 12 परिवार
सितली 08 परिवार
चार डिसमिल करके वासगीत जमीन का पर्चा मिला है।

इस वित्तिय वर्ष में विभिन्न किस्मों जैसे भूदानी, गैरमजरुआ खास , सिलिंग जमीनों पर दखल किया है जिसका पर्चा वर्षो पहले मिल चुका था। लेकिन जमीन पर दखल कब्जा नहीं था।

वारियाही	17 कट्ठा	बकुनियॉ पूर्वी 14 कट्ठा
धावियाही	9 कट्ठा	
लालपुर	13 कट्ठा	
देवका	10 कट्ठा	
वेलही	5 कट्ठा	
नौला	12 कट्ठा	

उक्त आठों गॉव में पर्चा के साथ-साथ दखल कब्जा भी हो गया है।

1. सितली- 32 एकड़
2. लालपुर-13 एकड़
3. वरिवाही-65 एकड़
4. धोवियाही-15एकड़
5. भेलाही-08एकड़
6. देवका-06एकड़
7. बकुनियॉ-18एकड़

- उक्त जमीन का सबूत (पर्चा) पूर्व में मिल चुका था लेकिन गॉव के दबंग लोग इन जमीन को गैर कानूनी तरीका से अपने कब्जे में रखा था जिसके लिए संस्था के कार्यकर्ताओं ने बैठक कर ग्रामीण समुदाय को दखल कब्जा वास्ते कया। और जमीन संबंधी विभिन्न कार्यालयों में आवेदन देकर मुकदमा दायर किया गया है।
- लक्ष्य समुदाय के लोगों को पंचायती राज व्यवस्था से लाभान्वित हो सके इसके लिए पंचायत चुनाव 2006 में अधिक से अधिक समुदाय का भागीदार हो पंचायत के ग्रामसभा एवं आम सभा में इसके विचारों का महत्व हो पंचायत चुनाव में निर्वाचित सदस्यों के अधिकार एवं भूमिका निर्वहन हेतु संस्था के माध्यम से पंचायत नेतृत्व प्रशिक्षण दिया गया।
- पंचायत चुनाव 2006 में लक्ष्य समुदाय के लोगों महिला एवं पुरुष की भागीदारी अधिक से अधिक हो सके इसके लिए कार्यकर्ता गॉव-गॉव में जाकर बैठक किया।
- पंचायत चुनाव में मतदाता सूचि से वंचित लोगों का नाम जुड़वाया गया। अशुद्धी नामों का शुद्ध करवाया गया।
- पंचायत चुनाव में नामांकण(नोमनेशन) हेतु आवश्यक कागजात एवं प्रक्रिया की जानकारी दिया गया। जिस पंचायत या वार्ड में अपने संगठन से एक ही पद के लिए दो तहन लोग अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराने का प्रयास किया जिसमें ताल मेल चुनाव संबंधी समीकरण की जानकारी दिया गया एवं जिन प्रत्यासी को नेतृत्व क्षमता देखा गया बाद बॉकि को बैठाया गया। परिणाम स्वरुप पंचायत चुनाव 2006 में विभिन्न पदों से लक्ष्य समुदाय के मलिा पुरुष जीतकर आयी।

- समुदाय के लोगों के द्वारा चुनाव जीतकर पंचायत को नेतृत्व करने के बाद सरकारी योजनाओं का लाभ समुदाय को मिल रहा है। जैसे स्वच्छ पेयजल, अन्त्योदय, अन्नपूर्णा, रोजगार गारंटी इत्यादि।
- ग्रामकोष को मजबूत करने के लिए ग्रामकोष में पैसा नियमित जमा कराने वास्ते गॉव-गॉव में बैठक किया गया और जो लोग ग्रामकोष से लोन लिया था उससे वापसी करवाया गया।
- रिवल्विंग में लोन के अदान-प्रदान हेतु बैठक किया गया ओर सशक्तिकरण के लिए उसे किस तरह से कारगर बनाया जाय इसके लिए रिवल्विंग फंड मेनेजमेन्ट का प्रशिक्षण दिया गया।
- इस वितीय वर्ष में रिवल्विंग फंड के तहत 35 लाभान्वितों से 25,000रु0 वापस लिया गया और नये28 लाभान्वितों को 1000 एवं 500रु0 करके गरमाधान के खेती के पंजाब मदोही जाने वास्ते 13 लाभान्वितों को दिया गया। 24 बकरी लाभान्वितों से पुनः नये महिला लाभान्वितों के बीच वितरण किया गया।
- परियोजना गॉव में अर्मेजेन्सी दवा वितरण किया गया जहॉ बाढ़ के समय आने जाने की कोई सुविधा नहीं था।
- परियोजना के प्रोग्राम ऑफिसर श्री अखिल चन्द्र मिश्रा द्वारा मूल्यांकन की तैयारी कार्यक्रम की समीक्षा एवं क्षेत्रभ्रमण कर कार्यक्रमों को और सुचारु करने वास्ते सुझाव दिया।
- एक्शनएड द्वारा प्रकाशित अल्पस पुस्तक पर विस्तृत चर्चा किया गया हैं।
- कार्यक्रम की वार्षिक एवं इन्टरनल मूल्यांकण किया गया।

दिनांक	कुल दिन	प्रशिक्षण का नाम	प्रतिभागी सं0	प्रशिक्षण
01.02.2006 से 30.05.2006 तक	4 माह	मोटर चालक प्रशिक्षण	35	साईनाथ मोटर ट्रेनिंग सेंटर पटना।
09.09.2006 से 11.09.2006 तक	3 दिन	स्वयं सहायता प्रशिक्षण	25	श्री अर्जून राम
19.09.2006 से 21.09.2006 तक	3 दिन	पंचायत कैडर प्रशिक्षण	35	प्रो0 रतन कुमार रवि
17.12.2006 से 19.12.2006 तक	3 दिन	रिवल्विंग फंड मेनेजमेंट	34	अर्जून राम
12.12.2006	1 दिन	शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला भेजा	14	प्रो0 रतन कुमार रवि
23.12.2006	1 दिन	ग्राम शिक्षा मिति कार्यशाला भेजा	16	प्रो0 रतन कुमार रवि
24.12.2006	1 दिन	शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला नवहट्टा	16	प्रो0 रतन कुमार रवि
25.12.2006	1 दिन	ग्राम शिक्षा समिति कार्यशाला	14	प्रो0 रतन कुमार रवि

दी हंगर प्रोजेक्ट

❖ उदेश्य:- दलित एवं कमजोड़ महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता विकसित करना ताकि वह स्वयं अपने जीवन का निर्णय ले सके एवं मुख्य धारा से जुड़ सके।

❖ रणनीति:- सघन बैठक, कार्यशाला, प्रशिक्षण, रथ यात्रा, पर्चा पोस्टर प्रकाशन, सूचना केन्द्र संचालन, सम्मेलन, संबंधित कार्यालय से संबंध जोड़ना एवं प्रक्रियाओं की जानकारी ।

❖ परियोजना क्षेत्र पर एक नजर:-

	प्रखंड	पंचायत
1.	झंझारपुर	16
2.	लखनौर	17
3.	मधेपुर	18
4.	अंधराठाढ़ी	09
	कुल	60

❖ चारों प्रखंड में कुल गॉवों की संख्या:-

	प्रखंड	गॉव की संख्या
1.	झंझारपुर	43
2.	लखनौर	36
3.	मधेपुर	62
4.	अंधराठाढ़ी	21
	कुल	162

❖ SSVK ने दी हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से पंचायती राज व्यवस्था में पंचायत चुनाव 2006 के वास्ते मलिा सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने के तहत विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ने हेतु तैयारी किया एवं चुनावी मैदान में उतर कर महिलाओं ने अपनी शक्ति का परिचय दी। महिलाओं ने अपने ताना बाना एवं प्रताड़ना को सहते हुए अपने अधिकार पद प्रतिष्ठा के लिए चुनावी रणभूमि में कूदी जो अपने आप में इतिहास को बदल देने वाली बात है।

सदियों से महिला के उपर एक बनी कहावत ''अबला नारी'' को दी हंगर प्रोजेक्ट ने अपने पार्टनरों के सहयोग से पंचायती राज में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी को सुनिश्चित कर महिलाओं में ऐसा जोश और जुनून भर दिया कि सिर्फ पंचायत ही नहीं विधान सभा एवं लोक सभा चुनावों में भी महिला अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करेगी तथा दिनानुदिन देश के विभिन्न क्षेत्रों मं अपनी वर्चस्व कायम कर राष्ट्र् के विकास में सहभागी बनेगी।

SSVK का प्रयास एवं पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण से हमलोगों के द्वारा किये गए कार्यो को और अधिक गति मिली। जिसके परिणाम स्वरुप दलित महिला भी इसका लाभ लेने से पीछे नही रही और चुनावी मैदान में कूदकर अपनी जीत हासिल की एवं आनी प्रतिनिधित्व कायम किया।

❖ दी हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से SSVK द्वारा किये गए गतिविधियॉ:-

-पंचायत सूचना केन्द्र-5

-पर्चा, पोस्टर, पंचायत मार्गदर्शिका आदि का प्रकाशन एवं वितरण।

उपर्युक्त सभी गतिविधियों के फलस्वरुप चारों प्रखंडों के कुल 534 महिलाएँ चुनाव लड़ी।

-विभिन्न पदों पर चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की सूची एवं जीत-परिणाम की संख्या:-

प्रत्याशी	लखनौर			झंझारपुर			अन्धराठाढ़ी			मधेपुर			कुल
महिला वार्ड	निर्विरोध	निर्वाचित	पराजित	निर्विरोध	निर्वाचित	पराजित	निर्विरोध	निर्वाचित	पराजित	निर्विरोध	निर्वाचित	पराजित	
	53	38	6	40	28	10	23	17	5	20	25	10	275
महिला पंच	51	12	5	25	25	12	15	8	2	15	20	8	198
महिला पंचायत समिति	..	5	2	..	..	..	..	1	3	..	..	..	11
	..	11	5	..	2	4	..	2	3	..	2	4	33
महिला	..	2	5	..	2	1	..	..	1	..	1	5	17
	104	68	23	65	57	27	38	28	14	35	48	27	534

⇨पंचायत सूचना केन्द्र से लाभान्वित संभावित महिला पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या-453 महिलाओं ने अनेक जानकारियॉ उक्त सूचना केन्द्र से प्राप्त की जैसे:-

1. चुनाव के दौरान खर्च का व्यौरा।
2. पोस्टर, पर्चा एवं पंचायत मार्गदर्शिका के माध्यम से जानकारी की उपलब्धता।
3. WLW महिला जो उक्त पंचायत चुनाव में खड़ी हुई उसके मतदाता में अन्य प्रत्यासियों के द्वारा संधमारी न हो इसके लिए रणनीति बनाना।
4. कार्यकर्ता प्रत्यासी एवं मतदाता के साथ सामुहिक बैठक।
5. खड़े प्रत्यासियों में तुलना कर अपना मत का प्रयोग करने हेतु मतदाताओं को प्रेरित कर सही प्रतिनिधि का चयन करना।
6. अपनी बातों को स्पष्ट रुप से मतदाताओं के बीच रखना।
7. अपने अधिकार को समझना।
8. वोट के महत्व को समझना।
9. पंचायत सशक्त करने की दिशा में उत्सुकता दिखाना।

10. गाँव में महिलाओं के विकास के लिए महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी को सुनिश्चित करना।
11. आपस की झंझट को आपस में ही बैठक कर निष्पादित करना।
12. चुनाव के दिन सबेरे बूथ पर जाना एवं अपने प्रत्यासियों को अपना मत देना इत्यादि।

⇨पराजित महिलाओं के पीछे अनेक कारणों का विवरण:-

1. गरीब परिवार से होना एवं पोलिंग एजेन्ट तक बूथ पर न देना।
2. शिक्षा का अभाव।
3. लीडरशीप रहते हुए भी पंचायती राज के संबंध में जानकारी का अभाव।
4. पुरुष मतदाताओं के द्वारा उपेक्षित होना।
5. पढ़ी लिखी महिलाओं के द्वारा उपेक्षित होना।
6. अपने पंचायत के उच्च समुदाय के द्वारा पंचायत चुनाव के लायक न समझना।
7. सम्पन्न प्रत्यासियों के द्वारा पैसा का प्रयोग करना।

⇨चुनाव अभियान के उदेश्य:-

1. पंचायत चुनाव में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी।
2. पंचायत चुनाव के प्रति महिलाओं को जागरुक करना।

⇨संस्था द्वारा लोक पंचायत निगरानी समिति का गठन एवं क्रियान्वयन।

3. लोक पंचायत अधिकार समिति का गठन एवं क्रियान्वयन।
4. एकल पद पर आरक्षण हेतु पटना हाई कोर्ट में याचिका दायर एवं धरना।
5. पंचायत प्रतिनिधियों को उनके अधिकार एवं पंचायत अधिनियम नियामवली संबंधी प्रशिक्षण।

⇨बलभद्रपुर गॉव के दसॉई पाल वार्ड सं0 13 की नामांकण के बाद विरोधियों द्वारा कर्मचारी के मिली भगत से नामांकण फार्म गायब कर दिया। संस्था के कार्यकताओं द्वारा चुनाव प्रभारी एवं चुनाव आयोग को फैक्स भेजकर पुन: नामांकण करवाया गया।

⇨गंगापुर पंचायत के वार्ड संख्या 11 से दनमा देवी एवं जमीला खातुन चुनाव लड़ी। वार्ड संख्या अतिपिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था लेकिन दनमा देवी पिछड़ा होते हुए भी अति पिछड़ा सीट पर जीत हासिल कर ली। बाद में चुनाव प्रभारी एवं चुनाव आयोग को जमीला खातुन की ओर से आवेदन दिया गया। परिणामस्वरुप जीती हुई महिला दमना देवी की नामांकण अवैध घोषित कर पराजित जमीना खातुन को निर्निरोध का प्रमाण पत्र दिया गया।

⇨वार्ड सदस्य एवं पंच:-

-ग्राम सभा का मुख्य वार्ड होता है।
-योजना ग्राम सभा में बनाया जाता है।
-वार्ड सदस्यों को वार्ड के सभी महिला पुरुष से जुड़ाव रहता हैं।
-कोई भी अपनी समस्या वार्ड सदस्य के पास रखते है।
-ग्राम स्तरीय विकास वार्ड सदस्य पर निर्भर करता है।

-वार्ड सदस्य पंचायत की रीढ़ होती है जब चाहे जिधर चाहे मुखिया को मोड़ सकते है।

-वार्ड स्तरीय बैठक में सभी महिला पुरुष खुलकर नि:संकोच अपनी समस्या रखते है।

⇨1.पंचायत चुनाव 2006 में संस्था की ओर से 4 प्रखंड मधेपुर, लखनौर, झंझारपुर एवं अन्धराठाढ़ी में चार कार्यकर्ता एवं एक प्रोजेक्ट कॉडिनेटर 162 गॉव 60 पंचायत एवं 440 वार्ड में सघन रुप से काम किये।

2. पंचायत चुनाव 2006 में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो इसके लिए सर्व प्रथम 408 महिलाओं को चिन्हित कर पंचायत विशेषज्ञों द्वारा एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया तथा रिफ्रेसर भी किया गया।

3. मतदाता चुनाव लड़ने वाले चिन्हित प्रत्याशियों का मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं नाम संसोधन का काम किया गया।

4. नामांकन के दौरान नामांकण प्रकिया नामांकरण में लगने वाले आवश्यक कागजात एवं नामांकण के प्रकियाओं के बारे में सघन बैठक के अन्तर्गत जानकारी दिया गया।

5. चार प्रखंड के चार जगहों पर सूचना केन्द्र एवं एक मुख्य कार्यालय पर सूचना केन्द्र की व्यवस्था की गयी। जिससे चुनाव प्रतिनिधियों को पंचायत प्रकियाओं की जानकारी मिल सकें।

6. पंचायत जागरुकता हेतु प्रखंड एवं पंचायतों में रथ भ्रमण कार्यक्रम।

7. पर्चा, पोस्टर बुक लेट एवं हैण्डबिल वितरण।

8. -कई जगहों पर अभी भी पोस्टर लगा है।

-कई जगहों पर पानी होने एवं बच्चों द्वारा फार दिया गया।

-पोस्टर चिपकवाने से लोगों को को जानकारी मिली ओर सराहा गया कि बहुत अच्छा पोस्टर है।

-एक आदमी को मिलने से कई प्रत्यासी पोस्टर बुकलेट लेने के लिए सूचना केन्द्र पर आने लगे।

⇨निर्विरोध प्रत्याशियों के पीछे कारक:-

1. विरोधियों का नामांकण पद रद्द।
2. लोगों में उॅचे पद पाने की भावना से वार्ड तथा पंच पदों पर नामांकण नहीं करवाना।
3. एकल पदों में दबंगता के कारण या रुपये के लोभ से नामांकण नहीं करवाना।
4. सघन बैठकों द्वारा प्रतिनिधि चयन।
5. जो सामान्य सीट होना चाहिए वे आरक्षित एवं जो आरक्षित वे सामान्य।
6. सही नेतृत्वकर्ता प्रतिनिधि।

⇨प्रतिनिधि चयन प्रभावी कारक:-

1. पहले से सामाजिक कार्य कर रही महिलायें।
2. महिलाओं में नेतृत्व करने की क्षमता।
3. समस्याओं निदान की क्षमता।
4. समाज के प्रति काम करने की भावना।

⇨हारे हुए प्रतिनिधि के संबंध में:-

1. नहीं खड़ा होना चाहिए।
2. समाज में काम करने लायक नहीं।
3. बोलने या निर्णय लेने में अक्षम।
4. इनको जीतना चाहिए समाज के प्रति अच्छा काम करते थे।
5. भाग्य साथ नहीं दिया।
6. रुपया खर्च नहीं किया।
7. दबंग आदमी के साथ चुनाव लड़ी।

⇨जीते हुए प्रतिनिधि के प्रति प्रतिक्रिया:-

1. समाज को काम करने की क्षमता है।
2. पहली बार जीती है 5 वर्ष सीखने मे लगेगा।
3. नेतृत्व करने की क्षमता है।
4. गाँव में विका होगा।
5. 5 वर्ष तक योजना जोतकर कमायेगा।
6. पंचायत पद के योग्य है।

⇨लखनौर पंचायत के बेहट पंचायत से मुखिया पद के लिए विमाल देवी ने राधा देवी से मात्र 16 वोटों से हारी लेकिन चुनाव आयोग के फैक्स कर पुन: मतगणना करायी तो 10 वोट से हारी। विमला देवी की जीत सुनिश्चित थी लेकिन वोट के एक दिन पहले रात में राधा देवी के परिवार वालों ने लगभग 2 लाख रुपया खर्च कर वोट खरीदी और रुपये के अभाव में विमला देवी हार गयी।

⇨अभियान से सीख:-

1. पंचायत निगरानी समिति का गठन एवं क्रियान्वयन:-
    1. यह समिति का गठन नेतृत्व कर्ता एवं पूर्व से पराजीत प्रतिनिधियों का है जो पहले से चुनाव के प्रति मन बनाकर इस चुनाव में अपनी भागीदारी बढ़ा जीत हासिल की।
    2. पंचायत संबंधी पर्चा पोस्टर जो आसानी से सही प्रतिनिधि चयन हो।
    3. बुकलेट क्या नियम कैसे फार्म भरा जाय (गाइड लाइन)
    4. नामांकन की प्रक्रिया।

(दीपक भारती)
सचिव